

SHRI MANAS BIHARI VERMA

Shri Manas Bihari Verma, former Distinguished Scientist of Defence Research and Development Organization, worked on TEJAS Light Combat Aircraft (LCA) Program from its Conceptualization, Project Definition, Detail Design and Systems Configuration freeze to Prototype fabrication, Aircraft Integration tests and Flight Test. He worked in this Program as Deputy Project Director, Project Director (General System), Program Director LCA and Program Director LCA-Navy and Director Aeronautical Agency, Bangalore.

2. Born on July 29, 1943 at Village Bour in Darbhanga District of Bihar, Shri Verma after his superannuation had been associated with NIT Patna as Chairman Board of Governors, Central University of South Bihar, Gaya, as member of Executive Council, Darbhanga College of Engineering, as Chairman, Board of Governors and Women's Institute of Technology Darbhanga as Member of Managing Council.

3. Shri Verma has also been working on Popularization and strengthening of Science and Computer Education for school children in rural areas of Bihar, with operation of three Mobile Science and IT Lab Vans and thirty Laptop Computers, initiated by the NGOs Viksit Bharat Foundation Bihar Branch and Agastya International Foundation Bangalore. He has also been associated with the Philanthropic organizations Maharajadhiraj Kameshwar Singh Kameshwari Priya Poor Home & Eye Hospital Darbhanga as Chairman Board of Trustees, and Kalyani Foundation, Darbhanga as Member Board of Trustees.

4. With the initiative, planning and design efforts of Shri Verma, about one hundred and fifty Line Replaceable Units of aircraft General Systems were designed , manufactured and flight qualification tested and indigenous strategic and critical technology and Ground Test Facilities were set up in different establishments of DRDO, HAL Divisions, CSIR Labs for LCA and futuristic Aircraft Programs.

5. During Shri Verma's tenure as Program Director, TEJAS LCA made its first Supersonic Flight (MACH 1.4), reached its service ceiling and started high 'g' manoeuvres with three prototype aircraft on the flight test line. During this period over four hundred flight test sorties, with different aircraft configurations and flight software versions were successfully flown. The Full Scale Engineering Development Phase One of LCA was completed, and Phase two with three more prototype and eight pre production variants of LCA were taken up. Simultaneously full scale engineering development of Naval Variant of LCA was started.

6. Shri Verma was recipient of Aeronautical Society of India award for Indigenous Development in the Year 1998, DRDO Scientist of the year award 2001, and DRDO Technology Leadership award 2004.



श्री मानस बिहारी वर्मा

श्री मानस बिहारी वर्मा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के पूर्व लब्ध प्रतिष्ठ वैज्ञानिक हैं। आपने तेजस लाइट कॉम्बैट एअर क्राफ्ट (एल सी ए) कार्यक्रम पर इसकी अवधारणा, परियोजना परिभाषा, विस्तृत डिजाइन तथा प्रणाली समाकृति स्थिर करने से लेकर इसके प्रोटोटाइप फैब्रीकेशन, एअर क्राफ्ट इंटीग्रेशन परीक्षणों और फ्लाइट परीक्षण तक के कार्य निष्पादित किए हैं। इस कार्यक्रम में आपने उप-परियोजना निदेशक, परियोजना निदेशक (सामान्य प्रणाली), कार्यक्रम निदेशक एल सी ए तथा कार्यक्रम निदेशक एल सी ए-नौसेना तथा निदेशक, एअरोनॉटिकल एजेंसी, बंगलोर के रूप में कार्य किया।

2. आपका जन्म 29 जुलाई, 1943 को बिहार के दरभंगा जिले के बाउर गांव में हुआ था। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आप एन आई टी पटना से प्रशासक मंडल के अध्यक्ष के रूप में, सेंट्रल युनिवर्सिटी ऑव साउथ बिहार, गया से कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में, दरभंगा कॉलेज ऑव इंजीनियरिंग से प्रशासक मंडल के अध्यक्ष के रूप में तथा महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, दरभंगा से प्रबंध काउंसिल के सदस्य के रूप में संबद्ध रहे।

3. आप बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों के लिए विज्ञान और कंप्यूटर शिक्षा को लोकप्रिय बनाने और इसे मजबूत करने पर भी तीन सचल विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी की प्रयोगशाला वैनों और तीस लैपटॉप कंप्यूटरों के प्रचालन से कार्य कर रहे हैं। जिसकी शुरूआत विकसित भारत फाउन्डेशन, बिहार शाखा ओर अगस्त्य इंटर-नेशनल फाउंडेशन बेंगलौर नामक गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई है। आप लोकोपकारी संगठनों-महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह कामेश्वरी प्रिया पुअर होम एंड आई अस्पताल दंरभंगा से ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष तथा कल्याणी फाउंडेशन, दरभंगा से ट्रस्टी बोर्ड के सदस्य के रूप में भी जुड़े हुए हैं।

4. आपकी पहल, आयोजना और डिजाइन संबंधी प्रयासों से एअरक्राफ्ट जनरल सिस्टम्स की 150 लाइन रीप्लेसिएबल यूनिटें डिजाइन की गईं, विनिर्मित की गईं एवं फ्लाइट योग्यता की जांच की गई तथा एल सी ए एवं भावी एअरक्राफ्ट कार्यक्रमों के लिए डी आर डी ओ, एच ए एल प्रभागों, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं की विभिन्न स्थापनाओं में देसी सामरिक और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी तथा ग्राउंड परीक्षण सुविधाएं संस्थापित की गईं।

5. आपके प्रोग्राम निदेशक के कार्यकाल के दौरान तेजस, एल सी ए ने अपनी पहली सुपरसोनिक उड़ान (मैक 1.4) भरी,यह अपनी सर्विस सीलिंग तक पहुंचा और फ्लाइट टेस्ट लाइन पर तीन प्रोटोटाइप वायुयानों के साथ उच्च 'जी' युक्तिचालन आरंभ कर दिया। इस अवधि के दौरान भिन्न-भिन्न वायुयान समाकृतियों और फ्लाइट साफ्टवेयर रूपांतरों के साथ चार सौ से भी अधिक फ्लाइट परीक्षण उड़ानें सफलतापूर्वक संपन्न की गईं। एल सी ए का फुल स्केल इंजीनियरी विकास चरण-I पूरा कर लिया गया था तथा चरण-II का कार्य तीन और प्रोटोटाइप तथा एल सी ए के आठ प्री-प्रोडक्शन वेरियंट्स के साथ शुरू किया गया था । इसके साथ-साथ एल सी ए के नेवल वेरियंट का फुल स्केल इंजीनियरी विकास का कार्य आरंभ कर दिया गया था।

6. आपको वर्ष 1998 में, एअरोनॉटिकल सोसायटी ऑव इंडिया अवार्ड फॉर इंडिजनस डेवलपमेंट, डी आर डी ओ साइंटिस्ट ऑव द इयर अवार्ड, 2001 तथा डी आर डी ओ टेक्नॉलोजी लीडरशिप अवार्ड, 2004 प्रदान किया गया।